श्री श्याम शरण में आजा | by Piyush Bhawsar

श्याम बनाये श्याम मिटाये श्याम जलाये श्याम बुझाये
श्याम शरण में टेक दे माथा श्याम मुकद्दर सोया जगाये
सांवरे की चौखट जो भी प्रेमी आएगा
उसके सारे कष्टों को सांवरा मिटाएगा

कांटे बिछे हो राहों में और मंज़िल ना हो कोई
तूफ़ान ही तूफ़ान हो साहिल ना हो कोई
हारा हो जब तू दुनिया से और साथी ना हो कोई
मुश्किल घडी में यार तेरी शामिल ना हो कोई
इसको बुलाना ज्योत जलाना श्याम धणी को आवाज़ लगाना
मेरा सांवरा तुझको रास्ता दिखायेगा
तेरे सारे कष्टों को सांवरा मिटाएगा

सौ मुश्किलों ने दुनिया की मुझको घेरा है सांवरे
अब डर नहीं है मुझको सहारा तेरा है सांवरे
दुनिया ने लूटा अपनों से छूटा हूँ सांवरे
तू थाम लेगा चौखट पे तेरी बैठा हूँ सांवरे
बिगड़ी बना दे पार लगा दे शैलू का तू भाग्य जगा दे
भोलू ये ही चरणों में हाज़री लगाएगा
तेरे सारे कष्टों को सांवरा मिटाएगा

तू भी आजा ओ प्रेमी तू भी आजा
श्री श्याम शरण में
आजा श्री श्याम शरण में आजा
प्रेमी का बुलावा आते ही
मेरा श्याम दौड़ कर आता है
नेरा श्यामधणी हर जीवन में खुशियों का उजाला लाता है
जीवन ही बदल देता उसका जो हार के शरण में आता है
इसलिए तो मेरा सांवरिया हारे का सहारा कहता है
तू भी आजा ओ प्रेमी तू भी आजा
श्री श्याम शरण में आजा
श्री श्याम शरण में आजा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%b6%e0%a4%b0%e0%a4%a3-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%86%e0%a4%9c%e0%a4%be-by-piyush-bhawsar/